दैनिक भास्कर उदयपुर जिला 24-07-2025

25 जिलों से लगभग 40 वरिष्ठ शिक्षा अधिकारियों ने लैब का दौरा कर की सराहना

हिन्दुस्तान जिंक ने दी राजकीय विद्यालयों में अत्याधुनिक एसटीईएम लैब की सौगात

उदयपुर | हिन्दुस्तान जिंक अपने संचालन क्षेत्र के आसपास स्थित राजकीय विद्यालयों में एसटीईएम लैब की स्थापना की पहल के माध्यम से विज्ञान और प्रौद्योगिकी शिक्षा में नए मानक स्थापित कर रही है। सोसाइटी फॉर ऑल राउंड डेवलपमेंट के सहयोग से, कंपनी इमर्सिव, तकनीक-सक्षम शिक्षण स्थान बना रही है जो छात्रों के विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित के साथ जुड़ने के तरीके को बदल रहे हैं।

जयपुर, उदयपुर, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, अजमेर, राजसमंद, बांसवाड़ा एवं राजस्थान के 25 जिलो से वरिष्ठ शिक्षा अधिकारियों के 40 सदस्यीय दल ने हिन्दुस्तान जिंक द्वारा बिछड़ी और जिंक स्मेल्टर देबारी में स्थापित एसटीईएम लैब का दौरा किया। इस उच्च-स्तरीय दौरे ने भविष्य की सीखने की तकनीकों का वास्तविक अनुभव दिया। जिंक ने अनुभवात्मक और तकनीक-सक्षम शिक्षा के माध्यम से राजकीय विद्यालयों की शिक्षा को बदलने के उद्देश्य से चार इमर्सिव एसटीईएम, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग, गणित लैब स्थापित की हैं। इनमें उदयपुर में दो मॉडल लैब राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल, बिछड़ी, डबोक और जिंक स्मेल्टर सीनियर सैकंडरी स्कूल में, साथ ही उत्तराखंड के पंत नगर में राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में एक एकीकृत विज्ञान लैब शामिल है। प्रत्येक लैब उन्नत डिजिटल उपकरणों, बेहतर बुनियादी ढांचे और एआर विआर जैसी इमर्सिव तकनीकों से लैस है, जिन्हें विज्ञान शिक्षा को आकर्षक, सुलभ और भविष्य के लिए डिजाइन किया गया है। एसटीईएम लैब आधुनिक बुनियादी ढांचे को अत्याधुनिक शैक्षिक प्रौद्योगिकी के साथ जोड़ते हुए इमर्सिव इनोवेशन हब के रूप में डिजाइन की गई हैं। पुनर्निर्मित क्लासरूम, बेहतर प्रकाश व्यवस्था, फर्नीचर और बिल्डिंग एज लर्निंग एड अवधारणाओं का उपयोग कर इंटरेक्टिव भित्ति चित्रों के साथ निर्मित है। एआई सक्षम इंटरएक्टिव फ्लैट पैनल, विज्ञान और गणित विषयों में 5,000 से अधिक डिजिटल लर्निंग मॉड्यूल तक पहुंच के साथ उपलब्ध है। 2,300 से अधिक गांवों में अपनी उपस्थिति के साथ और 23 लाख से अधिक लोगों के जीवन को छूते हुए, कंपनी समावेशी विकास और दीर्घकालिक सामाजिक प्रभाव को बढ़ावा देने के लिए गहराई से प्रतिबद्ध है।